



# किसान हेतु ई-अन्नदाता की बीमा पॉलिसी

## (eAnnadata insurance policy for Farmers)

- किसान की मृत्यु के बाद Insurance Claim 24 घंटे के अन्दर FIR या Police Verification कराना अनिवार्य है। (After the death of the farmer, it is mandatory to file FIR or Police Verification within 24 hours of Insurance Claim.)
- FIR या Police Verification कराने के बाद उसकी कॉपी और किसान का पूरा विवरण भूमि दस्तावेज (खतौनी) आधार कार्ड, मृतक किसान का ई-अन्नदाता कार्ड, परिवार के सदस्य का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। (After getting the FIR or Police Verification done, it will be mandatory to attach copy and complete details of the farmer, land document (Khatauni), Aadhar card, eAnnadata card of the deceased farmer, details of the family member.)
- मृतक किसान का ई-अन्नदाता कार्ड होना अनिवार्य है, जो कम से कम 3 महीने पुराना होना चाहिए। (It is mandatory for the deceased farmer to have eAnnadata card, which should be at least 3 months old.)
- मृतक किसान का ग्राम सरपंच से भी सत्यापन होना चाहिए। (The deceased farmer should also be verified by the village Sarpanch.)
- मृत्यु होने की स्थिति में मृत्यु प्रमाण पत्र होना चाहिए तथा राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापन होना चाहिए। (In case of death, there should be a death certificate and verification should be done by a Gazetted officer.)
- विकलांग होने की स्थिति में सरकारी प्रमाण पत्र चाहिए तथा राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापन होना चाहिए कि विकलांग खेत में कार्य करते हुए है। (In case of disability, a government certificate is required and there should be verification by a Gazetted officer that the disabled person is working in the field.)
- इस योजना के लाभार्थी किसान की आयु 18 से 65 वर्ष होनी चाहिए। (The age of the farmer beneficiary of this scheme should be 18 to 65 years.)
- सभी दस्तावेजों का सत्यापन ई-अन्नदाता वेलफेयर एण्ड डेवलपमेंट इण्डिया लिमिटेड के उच्चाधिकारियों द्वारा किया जाएगा। (Verification of all the documents will be done by the higher officials of eAnnadata Welfare and Development India Limited.)
- किसान की मृत्यु हो जाने पर उनके परिवार के माता-पिता, पत्नी, बेटा व अविवाहित बेटी को वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। (After the death of the farmer, financial assistance will be provided to his parents, wife, son and unmarried daughter.)
- **किसानों को ई-अन्नदाता के द्वारा निम्न परिस्थितियों में इश्योरेंस मिल सकेगा (Farmers will be able to get insurance through eAnnadata under the following circumstances)-**
  1. खेत में काम करने के दौरान यदि किसान के पूर्ण अपंग (दोनों हाथ और पैर क्षतिग्रस्त) होने पर 2 लाख तक सहयोग राशि दी जायेगी। (If a farmer becomes completely disabled (both hands and legs are lossed) while working in the fields, a support amount of up to Rs 2 lakh will be given.)
  2. खेत में काम करने के दौरान यदि किसान के आंशिक रूप से अपंग (1 हाथ और 1 पैर की क्षति) होने पर 1 लाख ०० की सहयोग राशि दी जायेगी। (If a farmer becomes partially disabled (loss of one arm and one leg) while working in the fields, a assistance amount of Rs 1 lakh will be given.)
  3. खेत में काम करने के दौरान यदि किसान किसी दुर्घटना से मृत्यु होती है तो ऐसी परिस्थिति में उसके परिवार को 5 लाख तक की सहयोग राशि दी जायेगी। (If a farmer dies due to an accident while working in the fields, then in such a situation his family will be given a financial assistance of up to Rs 5 lakh.)

सभी निर्धारित व आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन ई-अन्नदाता मुख्यालय से होने के बाद इश्योरेंस का भुगतान ई-अन्नदाता वेलफेयर एण्ड डेवलपमेंट इण्डिया लिमिटेड अपने (स्वयं के) फंड से करेगी। (After verification of all prescribed and necessary documents from eAnnadata Headquarters, the insurance will be paid by eAnnadata Welfare and Development India Limited from its own funds.)

नोट— प्राकृतिक आपदा से मृत्यु व सामान्य मृत्यु की स्थिति में उपरोक्त नियमावली मान्य नहीं होगी व मृतक किसान अथवा उसके परिवार को किसी प्रकार की बीमा राशि नहीं दी जायेगी। (Note - In case of death due to natural disaster or normal death, the above rules will not be valid and no insurance amount will be given to the deceased farmer or his family.)